सामाजिक मानवशास्त्र
(Social Anthropology)

प्रश्न सामाजिक मानवशास्त्र की परिभाषा दीजिए।

उत्तर सामाजिक मानवशास्त्र मानवशास्त्र की महत्वपूर्ण शाखा है जो मुख्यत आदिम मानव के सामाजिक संगठन, सामाजिक संस्थाओं, विभिन्न व्यवस्थाओं तथा सामाजिक संबंधों के स्वरूपों का अध्ययन करती है। वास्तविकता यह है कि सामूहिक जीवन के विकास के साथ ही मानव ने अपने जैविकीय, सामाजिक सांस्कृतिक तथा आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए न केवल एक सरल संगठन का निर्माण किया बल्कि अनेक ऐसे संस्थागत नियम भी बनाये जिनके द्वारा वह अपने व्यक्तिगत, सामूहिक जीवन को व्यवस्थित बना सकते है। इन्हीं प्रयत्नो के फलस्वरूप ज्ञान, विश्वास, नैतिकता कानून, धर्म, जादू तथा संस्थागत आदर्श नियम जैसी बहुत सी विशेषताएँ विकसित हुई। सामाजिक मानवशास्त्र आदिम समुदायों के संदर्भ में इन्हीं विशेषताओं का अध्ययन करनेवाला सामाजिक विज्ञान है।

सामाजिक मानवशास्त्र को निम्नलिखित विद्वानो ने भिन्न-भिन्न परिभाषाए दी है जो निम्नलिखित है।

रेडक्लिफ ब्राउन — "सामाजिक मानवशास्त्र समाजशास्त्र की वह शाखा है जो कि आदिम या पूर्व शिक्षित समाजो का अध्ययन करती है।"

नेडल — सामाजिक मानवशास्त्र का प्रमुख उद्देश्य आदिम मनुष्यों को उनके द्वारा निर्मित संस्कृति की ओर उस सामाजिक व्यवस्था को जिसमें वे रहते है एवं कार्य करते है, समझना है।"